ये अव्यक्त इशारे

एकता और विश्वास की विशेषता द्वारा सफलता सम्पन्न बनो

20-02-2026

संगठित रूप में आप ब्राह्मण बच्चों की आपस के सम्पर्क की भाषा अव्यक्त भाव की होनी चाहिए। जैसे फरिश्ते अथवा आत्मायें आत्माओं से बोल रही हैं। इसके लिए किसी की सुनी हुई गलती को संकल्प में भी न स्वीकार करना और न कराना। ऐसी जब स्थिति हो तब ही बाप की जो शुभ कामना है - एकमत संगठन की, वह प्रैक्टिकल में होगी और आपके द्वारा बाप प्रत्यक्ष होगा।

With the speciality of unity and faith, become full of success.

Let the language of all of you Brahmins together be of avyakt feelings. Let it be as though souls are speaking to angels or souls. For this, neither take, even in your thoughts, anyone's mistakes that you may have heard of, nor enable others to do so. When your stage is like this, the pure hopes of the Father for the gathering will then become practical and the Father will be revealed through you.